Hind Atma

Date: 07/08/2021

आईटीएस डेन्टल कॉलेज में विश्व स्तनपान सप्ताह का आयोजन

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। आईटीएस डेन्टल कॉलेज, मुरादनगर गाजियाबाद में पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग के द्वारा दिनांक 1 अगस्त से 7 अगस्त तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जा रहा है। जिसका विषय स्तनपान की सुरक्षा- एक सहभागिता पूर्ण जिम्मेदारी है विश्व स्तनपान को बढ़ावा देने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा हर साल 1 से 7 अगस्त को विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। जन्म के बाद शिशु को कुपोषण और बीमारियों से बचने के लिए व एंटीबॉडीज बनाने के लिए स्तनपान की जरूरत होती है।

आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा की प्रेरणा से इस कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने मां और बच्चे पर स्तनपान के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किये और बताया कि नवजात शिशुओं के लिये माँ का दूध अमृत के समान है। स्तनपान को बढ़ावा देकर शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सकती है। शिशुओं को जन्म से छह माह तक केवल मां का दूध पिलाने के लिए महिलाओं को इस सप्ताह के दौरान विशेष रूप से प्रोत्साहित किया गया विश्व स्तनपान एक ऐसा सप्ताह है जब महिलाओं को मां और बच्चों के लिये स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक किया जाता है। स्तनपान माताओं और बच्चों के लिये समान रूप से बेहतर स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है। स्तनपान को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर तक बढ़ाने से हर साल आठ लाख से अधिक लोगों की जान बचाई जा सकती है, जिनमें से अधिकांश 6 महीने से कम उम्र के बच्चे है।

स्तनपान कराने से माताओं को स्तन कैंसर, ओवेरियन के कैंसर, टाइप 2 मधुमेह और हृदय रोग होने का खतरा कम हो जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार जन्म के एक घंटे के भीतर शिशु को 6 महीने का होने तक निरंतर स्तनपान शुरू कराना चाहिए। इस अवसर पर आईटीएस डेन्टल कॉलेज की ओपीडी में कई गतिविधियां देखी गई। जिसमें सभी महिलाओं को सूर्या अस्पताल के प्रसूति वार्ड में भेजा गया और वहां उनका चैकअप किया गया। इसके साथ ही शिविर स्थल आंगनबाडी, सुल्तानपुर गांव की महिला कार्यकताओं और सभी महिलाओं को स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक किया गया।स्तन कैंसर आजकल अधिक प्रचलित है। इसलिए शिविर स्थल आंगनबाडी, सुल्तानपुर गांव, प्रसूति वार्ड सूर्या अस्पताल एवं डेन्टल ओपीडी में आने वाले महिला रोगियों को स्तनपान के महत्व के बारे में पैम्फलेट वितरित कर रोगी शिक्षा और प्रेरणा दी गई। इसके साथ ही सभी महिलाओं को पिंक रिबन और स्तनपान बैच भी वितरित किये गये। इस सफल कार्यक्रम के आयोजन के लिये सभी प्रतिभागीयों ने आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा का आभार प्रकट किया।

Manasvi vani

Date: 07/08/2021

आईटीएस डेन्टल कॉलेज में विश्व स्तनपान सप्ताह का आयोजन

मनस्वी वाणी, संवाददाता

मुरादनगर। दिल्ली मेट्रो डिस्टेंस आईटीएस डेन्टल कॉलेज मुरादनगर में पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग के द्वारा 1 अगस्त से 7 अगस्त, 2021 को विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया। जिसका विषय स्तनपान की सुरक्षा-एक सहभागिता पूर्ण जिम्मेदारी है। विश्व स्तनपान को बढ़ावा देने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन हर साल 1 से 7 अगस्त को विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। जन्म के बाद शिशु को पोषण और बीमारियों से बचने के लिए एंटी बॉडीज बनाने के लिए स्तनपान की जरूरत होती है। आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डा आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा की प्रेरणा से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने मां और बच्चे पर स्तनपान के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किये और बताया कि नवजात शिशुओं के लिये मां का दूध अमृत के समान है। स्तनपान को बढ़ावा देकर शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सकती है। शिशुओं को जन्म से छह माह तक केवल मां का दूध पिलाने के लिए महिलाओं को इस सप्ताह के दौरान विशेष रूप से प्रोत्साहित किया गया। विश्व स्तनपान एक ऐसा सप्ताह है जब महिलाओं को मां और बच्चों के लिये स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक किया जाता है। स्तनपान माताओं और बच्चों के लिये समान रूप से बेहतर स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है। स्तनपान को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर तक बढ़ाने से हर साल 8 लाख से अधिक लोगों की जान बचाई जा सकती है, जिनमें से अधिकांश 6 महीने से कम उम्र के बच्चे है। स्तनपान कराने से माताओं को स्तन कैंसर, ओवेरियन के कैंसर, टाइप 2 मधुमेह और हृदय रोग होने का खतरा कम हो जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार जन्म के एक घंटे के भीतर शिशु को 6 महीने का होने तक अनन्य स्तनपान शुरू करना चाहिए। जिसमें सभी महिलाओं को सूर्या अस्पताल के प्रसूति वार्ड में भेजा गया और वहां उनका चैकअप किया गया।शिविर स्थल आंगनबाडी, सुल्तानपुर गांव की महिला कार्य कताओं और सभी महिलाओं को स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। क्योंकि स्तन कैंसर आजकल अधिक प्रचलित है। शिविर स्थल आंगनबाडी, सुल्तानपुर गांव, प्रसूति वार्ड सूर्या अस्पताल एवं डेन्टल ओपीडी में आने वाले महिला रोगियों को स्तनपान के महत्व के बारे में पंपलेट वितरित कर रोगी शिक्षा और प्रेरणा दी गई। इसके साथ ही सभी महिलाओं को पिंक रिबन और स्तनपान बैच भी वितरित किये।

Dainik Hint

Date: 07/08/2021

आईटीएस डेन्टल कॉलेज में विश्व स्तनपान सप्ताह का किया गया आयोजन

हिन्ट संवाददाता

मुरादनगर। आईटीएस डेन्टल कॉलेज में पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग द्वारा एक अगस्त से 7 अगस्त तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया। जिसका विषय स्तनपान की सुरक्षा- एक सहभागिता पूर्ण जिम्मेदारी है। विश्व स्तनपान को बढ़ावा देने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन हर साल एक से 7 अगस्त को विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। जन्म के बाद शिशु को पोषण और बीमारियों से बचने के लिए एंटीबॉडीज बनाने के लिए स्तनपान की जरूरत होती है।

आईटीएस एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आरपी चड्ढा तथा वाईस

जन्म के बाद शिशु को एंटीबाडीज के लिए स्तनपान जरूरी

चेयरमैन अर्पित चड्ढा की प्रेरणा से इस कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने मां और बच्चे पर स्तनपान के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किये और बताया कि नवजात शिशुओं के लिये मां का दूध अमृत के समान है। स्तनपान को बढ़ावा देकर शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सकती है। शिशुओं को जन्म से छह माह तक केवल मां का दूध पिलाने के लिए महिलाओं को इस सप्ताह के दौरान विशेष रूप से प्रोत्साहित किया गया।

Jan Sagar Today

Date: 07/08/2021

आई.टी.एस. डेन्टल कॉलेज में विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया

जन सागर टुडे संवाददाता

मुरादनगर। आई.टी.एस. डेन्टल कॉलेज, मुरादनगर गाजियाबाद में पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग के द्वारा 1 अगस्त से 7 अगस्त, 2021 को विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया। जिसका विषय स्तनपान की सुरक्षा- एक सहभागिता पूर्ण जिम्मेदारी है। विश्व स्तनपान को बढ़ावा देने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन हर साल 1 से 7 अगस्त को विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। जन्म के बाद शिशु को पोषण और बीमारियों से बचने के लिए एंटीबॉडीज बनाने के लिए स्तनपान की जरूरत होती है।

आई.टी.एस.-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा की प्रेरणा से इस कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

इस अवसर पर उन्होंने मां और बच्चे पर स्तनपान के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किये और बताया कि नवजात शिशुओं के लिये माँ का दूध अमृत के समान है। स्तनपान को बढ़ावा देकर शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सकती है। शिशुओं को जन्म से छह माह तक केवल मां का दूध पिलाने के लिए महिलाओं को इस सप्ताह के दौरान विशेष रूप से प्रोत्साहित किया गया।

विश्व स्तनपान एक ऐसा सप्ताह है जब महिलाओं को मां और बच्चों के लिये स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक किया जाता है। स्तनपान माताओं और बच्चों के लिये समान रूप से बेहतर स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है। स्तनपान को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर तक बढ़ाने से हर साल 8,00,000 से अधिक लोगों की जान बचाई जा सकती है, जिनमें से अधिकांश 6 महीने से कम उम्र के बच्चे है। स्तनपान कराने से माताओं को स्तन कैंसर, ओवेरियन के कैंसर, टाइप 2 मधुमेह और हृदय रोग होने का खतरा कम हो जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार जन्म के एक घंटे के भीतर शिशु को 6 महीने का होने तक अनन्य स्तनपान शुरू करना चाहिए।

इस अवसर पर आई.टी.एस. डेन्टल कॉलेज की ओ.पी.डी. में निम्नलिखित गतिविधियां देखी गई। जिसमें सभी महिलाओं को सूर्या अस्पताल के प्रसूति वार्ड में भेजा गया और वहां उनका चैकअप किया गया। इसके साथ ही शिविर स्थल आंगनबाडी, सुल्तानपुर गांव की महिला कार्यकर्ताओं और सभी महिलाओं को स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। क्योंकि स्तन कैंसर आजकल अधिक प्रचलित है। इसलिए शिविर स्थल आंगनबाडी, सुल्तानपुर गांव, प्रसूति वार्ड सूर्या अस्पताल एवं डेन्टल ओ.पी.डी. में आने वाले महिला रोगियों को स्तनपान के महत्व के बारे में पैम्फलेट वितरित कर रोगी शिक्षा और प्रेरणा दी गई। इसके साथ ही सभी महिलाओं को पिंक रिबन और स्तनपान बैच भी वितरित किये गये।

इस सफल कार्यक्रम के आयोजन के लिये सभी प्रतिभागीयों ने आई.टी.एस - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. आर.पी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Current Crime

Date: 07/08/2021

आईटीएस डेन्टल कॉलेज में मनाया गया विश्व स्तनपान सप्ताह

मुरादनगर (करंट क्राइम)। नगर क्षेत्र में मेरठ-दिल्ली मार्ग स्थित आईटीएस डेन्टल कॉलेज में पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग के द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया। जिसका विषय स्तनपान की सुरक्षा- एक सहभागिता पूर्ण जिम्मेदारी है। विश्व स्तनपान को बढ़ावा देने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन हर साल 1 से 7 अगस्त को विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। जन्म के बाद शिशु को पोषण और बीमारियों से बचने के लिए एंटीबॉडीज बनाने के लिए स्तनपान की जरूरत होती है।आईटीएस - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा की प्रेरणा से इस कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने मां और बच्चे पर स्तनपान के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किये और बताया कि नवजात शिशुओं के लिये माँ का दूध अमृत के समान है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार जन्म के एक घंटे के भीतर शिशु को 6 महीने का होने तक अनन्य स्तनपान शुरू करना चाहिए। इस अवसर पर आईटीएस डेन्टल कॉलेज की ओपीडी में निम्नलिखित गतिविधियां देखी गई। जिसमें सभी महिलाओं को सूर्या अस्पताल के प्रसूति वार्ड में भेजा गया और वहां उनका चैकअप किया गया। इसके साथ ही शिविर स्थल आंगनबाडी, सुल्तानपुर गांव की महिला कार्यकताओं और सभी महिलाओं को स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक किया गया क्योंकि स्तन कैंसर आजकल अधिक प्रचलित है। इसलिए शिविर स्थल आंगनबाडी, सुल्तानपुर गांव, प्रसूति वार्ड सूर्या अस्पताल एवं डेन्टल ओपीडी में आने वाले महिला रोगियों को स्तनपान के महत्व के बारे में पैम्फलेट वितरित कर रोगी शिक्षा और प्रेरणा दी गई। इसके साथ ही सभी महिलाओं को पिंक रिबन और स्तनपान बैच भी वितरित किये गये। कार्यक्रम के आयोजन के लिये प्रतिभागीयों ने आईटीएस - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Dainik Athah

Date: 07/08/2021

आईटीएस सेंटर फॉर डेंटल स्टडीज एंड रिसर्च मुरादनगर

स्तनपान को बढ़ावा देकर शिशु मृत्यु दर में लाई जा सकती है कमी

कार्यक्रम

- आईटीएस डेंटल कॉलेज में विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया

अथाह संवाददाता

मुरादनगर। आईटीएस डेंटल कॉलेज मुरादनगर में पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग के द्वारा एक से सात अगस्त तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जा रहा है। जिसका विषय स्तनपान की सुरक्षा- एक सहभागिता पूर्ण जिम्मेदारी है।

विश्व स्तनपान को बढ़ावा देने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन हर साल एक से सात अगस्त को विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। जन्म के बाद शिशु को पोषण और बीमारियों से बचने के लिए एंटीबॉडीज बनाने के लिए स्तनपान की जरूरत होती है।

आईटीएस- द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डा. आरपी चड्ढा तथा वाईस

चेयरमैन अर्पित चड्ढा की प्रेरणा से इस कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने मां और बच्चे पर स्तनपान के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किये। स्तनपान को बढ़ावा देकर शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सकती है।

शिविर स्थल आंगनबाडी, सुल्तानपुर गांव की महिला कार्यकर्ताओं और सभी महिलाओं को स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक किया गया।

महिला रोगियों को स्तनपान के महत्व के बारे में पैम्फलेट वितरित कर रोगी शिक्षा और प्रेरणा दी गई। इसके साथ ही सभी महिलाओं को पिंक रिबन और स्तनपान बैच भी वितरित किये गये। इस सफल कार्यक्रम के आयोजन के लिये सभी प्रतिभागीयों ने आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डा. आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

'शिशु के लिए स्तनपान अमृत के समान'

गाजियाबाद (अ.सं.)। स्तनपान को बढ़ावा देने के लिए यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल कौशांबी में विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया। इस सप्ताह की थीम-स्तनपान सुरक्षा की जिम्मेदारी, साझा जिम्मेदारी तय की गयी है। 1 अगस्त से प्रारम्भ हुए विश्व स्तनपान सप्ताह को 7 अगस्त तक मनाया जायेगा । इस दौरान हॉस्पिटल में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। प्रसवोपरांत कम से कम 6 महीने के लिए माताओं को स्तनपान के लिए प्रेरित एवं जागरूक किया जा रहा है। नवजात स्वास्थ्य में स्तनपान की भूमिका पर एक कार्यशाला का भी आयोजन फेसबुक लाइव किया गया। जिसमें यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल कौशांबी के वरिष्ठ नवजात शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ अजीत कुमार एवं नवजात शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ दीपिका रस्तोगी भाग लिया। वहीं दूसरी तरफ गर्भाधारण की हुई महिलाओं में भी प्रसव से पूर्व ही स्तनपान के महत्व की जागरूकता की गयी। हॉस्पिटल के नर्सिंग विभाग द्वारा लेफ्ट कर्नल राधा राणा के नेतृत्व में एक चित्र प्रदर्शनी एवं पोस्टर कम्पटीशन का भी आयोजन किया गया। डा. दीपिका रस्तोगी ने बताया कि कामकाजी महिलाए ब्रेस्ट पंप का प्रयोग कर अपना दूध निकल कर बच्चे को पिलाने के लिए घर में रख सकती हैं, जो कही ज्यादा कारगर और उपयोगी है। यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल कौशांबी के वरिष्ठ नवजात शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ अजीत कुमार का कहना है कि शिशु के लिए स्तनपान अमृत के समान होता है। यह शिशु को निमोनिया, डायरिया और कुपोषण के जोखिम से भी बचाता है । इसलिए बच्चे को जन्म के एक घंटे के भीतर मां का पहला पीला गाढा दूध अवश्य पिलाना चाहिए ।

Dhara News

Date: 07/08/2021

आई0टी0एस0 डेन्टल कॉलेज में विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया

धारा न्यूज संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद में पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग के द्वारा दिनांक 1 अगस्त से 7 अगस्त, 2021 को विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया। जिसका विषय स्तनपान की सुरक्षा- एक सहभागिता पूर्ण जिम्मेदारी है विश्व स्तनपान को बढ़ावा देने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन हर साल 1 से 7 अगस्त को विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। जन्म के बाद शिशु को पोषण और बीमारियों से बचने के लिए एंटीबॉडीज बनाने के लिए स्तनपान की जरूरत होती है।

आई0टी0एस0 - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ0 आर0पी0 चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा की प्रेरणा से इस कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने मां और बच्चे पर स्तनपान के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किये और बताया कि नवजात शिशुओं के लिये मॉ का दूध अमृत के समान है। स्तनपान को बढ़ावा देकर शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सकती है।

शिशुओं को जन्म से छह माह तक केवल मां का दूध पिलाने के लिए महिलाओं को इस सप्ताह के दौरान विशेष रूप से प्रोत्साहित किया गया। विश्व स्तनपान एक ऐसा सप्ताह है जब महिलाओं को मां और बच्चों के लिये स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक किया जाता है। स्तनपान माताओं और बच्चों के लिये समान रूप से बेहतर स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है। स्तनपान को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर तक बढ़ाने से हर साल 8,00,000 से अधिक लोगों की जान बचाई जा सकती है, जिनमें से अधिकांश 6 महीने से कम उम्र के बच्चे है। स्तनपान कराने से माताओं को स्तन कैंसर, ओवेरियन के कैंसर, टाइप 2 मधुमेह और हृदय रोग होने का खतरा कम हो जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार जन्म के एक घंटे के भीतर शिशु को 6 महीने का होने तक अनन्य स्तनपान शुरू करना चाहिए। इस अवसर पर आई0टी0एस0 डेन्टल कॉलेज की ओ0पी0डी0 में निम्नलिखित गतिविधियां देखी गई। जिसमें सभी महिलाओं को सूर्या अस्पताल के प्रसूति वार्ड में भेजा गया और वहां उनका चैकअप किया गया। इसके साथ ही शिविर स्थल आंगनबाड़ी, सुल्तानपुर गांव की महिला कार्यकर्ताओं और सभी महिलाओं को स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। क्योंकि स्तन कैंसर आजकल अधिक प्रचलित है। इसलिए शिविर स्थल आंगनबाड़ी, सुल्तानपुर गांव, प्रसूति वार्ड सूर्या अस्पताल एवं डेन्टल ओ0पी0डी0 में आने वाले महिला रोगियों को स्तनपान के महत्व के बारे में पैम्फलेट वितरित कर रोगी शिक्षा और प्रेरणा दी गई। इसके साथ ही सभी महिलाओं को पिंक रिबन और स्तनपान बैच भी वितरित किये गये। इस सफल कार्यक्रम के आयोजन के लिये सभी प्रतिभागियों ने आई0टी0एस0 - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ0 आर0पी0 चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

HINT MEDIA

Date: 06/08/2021

आईटीएस डेन्टल कॉलेज में विश्व स्तनपान सप्ताह को लेकर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

Hint Media Friday, 6 August 2021, 1:23 pm

गाजियाबाद। मुरादनगर स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज में पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग के द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया। स्तनपान को बढ़ावा देने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन हर साल एक से 7 अगस्त को विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। जन्म के बाद शिशु को पोषण और बीमारियों से बचने के लिए एंटीबॉडीज बनाने के लिए स्तनपान की जरूरत होती है। आईटीएस- द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा की प्रेरणा से इस कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने मां और बच्चे पर स्तनपान के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किये और बताया कि नवजात शिशुओं के लिये मां का दूध अमृत के समान है। स्तनपान को बढ़ावा देकर शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सकती है। शिशुओं को जन्म से छह माह तक केवल मां का दूध पिलाने के लिए महिलाओं को इस सप्ताह के दौरान विशेष रूप से प्रोत्साहित किया गया। विश्व स्तनपान एक ऐसा सप्ताह है जब महिलाओं को मां और बच्चों के लिये स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक किया जाता है। स्तनपान माताओं और बच्चों के लिये समान रूप से बेहतर स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है। स्तनपान को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर तक बढ़ाने से हर साल 8,00,000 से अधिक लोगों की जान बचाई जा सकती है, जिनमें से अधिकांश 6 महीने से कम उम्र के बच्चे हैं। स्तनपान कराने से माताओं को स्तन कैंसर, ओवेरियन के कैंसर, टाइप 2 मधुमेह और हृदय रोग होने का खतरा कम हो जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार जन्म के एक घंटे के भीतर शिशु को 6 महीने का होने तक अनन्य स्तनपान शुरू करना चाहिए। इस अवसर पर कॉलेज की ओपीडी में से महिलाओं को सूर्या अस्पताल के प्रसूति वार्ड में भेजा गया और वहां उनका चैकअप किया गया। इसके साथ ही शिविर स्थल आंगनबाडी सुल्तानपुर गांव की महिला कार्यकर्ताओं और सभी महिलाओं को स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। महिला रोगियों को स्तनपान के महत्व के बारे में पम्फलेट वितरित कर रोगी शिक्षा और प्रेरणा दी गई। इसके साथ ही सभी महिलाओं को पिंक रिबन और स्तनपान बैच भी वितरित किये गये।